PGDDM

सत्रीय कार्य 2016

(जनवरी 2016 और जुलाई 2016 सत्रों में
प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए)

आपदा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(पी.जी.डी.डी.एम.)

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110 068

आपदा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

प्रिय छात्र/छात्राओ,

जैसा कि आपको आपदा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम की कार्यक्रम दर्शिका में बताया ही जा चुका है कि आपको चार क्रेडिट वाले प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा।

प्रत्येक सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य करने होंगे। आपको प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा। आप यह देखेंगे कि सत्रीय कार्यों के प्रश्न विश्लेषणात्मक और वर्णनात्मक प्रकृति के हैं। इन्हें करने से आप अवधारणाओं को बेहतर तरीके से समझ सकेंगे।

सत्रीय कार्यों को करने से पहले कृपया कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह महत्वपूर्ण है कि आप टी.एम.ए. के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखें, सत्रीय कार्य के प्रश्नों का उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और ये आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

सत्रीय कार्यों को आपने अध्ययन केंद्र के संचालक के पास जमा कराएँ। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। यह आवश्यक है कि आप सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

सत्रीय कार्यों को मूल्यांकन के पश्चात अध्ययन केंद्र आपको वापस कर देगा। कृपया इस ओर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केंद्र द्वारा अंकों को संबंधित क्षेत्रीय केंद्र को भेजना होता है और बाद में वे उन्हें विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली के पास भेजते हैं।

प्रस्तुतीकरण :

आपको सत्रीय कार्यों को निर्धारित तिथि तक जमा कराना होगा ताकि आप सत्रांत परीक्षा देने के पात्र हो सकें।

सत्रीय कार्यों को पूरा करके निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार भेजें :

सत्रीय कार्य संख्या	प्रस्तुति की तिथि	किसे भेजें
एम.पी.ए.–001 एम.पी.ए.–002 एम.पी.ए.–003 एम.पी.ए.–004 एम.पी.ए.–005 एम.पी.ए.–006 एम.पी.ए.–007 एम.ई.डी.–004 (केवल उन्हीं विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने परियोजना कार्य के स्थान पर इस पाठ्यक्रम को लिया है।)	जनवरी 2016 सत्र के लिए 30 सितंबर 2016 जुलाई 2016 सत्र के लिए 31 मार्च 2017	अपने निर्दिष्ट अध्ययन केंद्र के संचालक को

सत्रीय कार्य करने के निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य में दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें:

1) **योजना** : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक उत्तर के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठन** : अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर को चुनने और विश्लेषण करने का प्रयास कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दें।

   उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि :

   क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो; और
   ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही हों।

3) **प्रस्तुतीकरण** : जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ–साफ और अपनी हस्तलिपि में ही लिखें।** जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें। यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर ही हो।

शुभकामनाओं के साथ,

प्रो. उमा मेडूरी
प्रो. डौली मैथ्यू
(कार्यक्रम संयोजक)

एम.पी.ए.–001
प्राकृतिक आपदाओं को समझना
सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए–001
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2016
अंक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग–I

1. केंद्रीय, राज्य और स्थानीय स्तरों पर आपदा प्रबंधन प्रणाली के महत्व का वर्णन कीजिए।

2. सूखे के कारणों और प्रभावों की चर्चा कीजिए और आपदा प्रबंधन में राजस्थान सरकार की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।

3. गुजरात के भूकंप संभावित क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन के लिए आप क्या उपाय सुझाना चाहेंगे?

4. 'आपदा प्रबंधन में चक्रवात संभावित स्थिति में प्रभावी चेतावनी और पूर्वानुमान महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।' टिप्पणी कीजिए।

5. प्राकृतिक आपदाओं के विभिन्न प्रकारों पर एक टिप्पणी लिखिए।

भाग–II

6. अवधाव संकट न्यूनीकरण की निष्क्रिय और सक्रिय पद्धतियों की चर्चा कीजिए।

7. भारतीय तटीय क्षेत्रों पर समुद्र तल में वृद्धि के प्रभावों का वर्णन कीजिए।

8. उष्णता और शीत लहरों के कारणों और प्रभावों की चर्चा कीजिए।

9. भौमिक पारितंत्र पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव का विवेचन कीजिए।

10. भूस्खलन के कारणों की चर्चा कीजिए और आपदा न्यूनीकरण के लिए उपाय सुझाइए।

एम.पी.ए.–002
मानव–निर्मित आपदाओं को समझना
सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए–002
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2016
अंक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग–I

1. मानव–निर्मित आपदाओं के स्वरूप और विभिन्न प्रकारों की चर्चा कीजिए।

2. जैविक आपदाओं के प्रमुख कारण और प्रभाव कौन–कौन से हैं?

3. कोयले में आग लगने संबंधी आपदा को कम करने की कार्यनीतियों का वर्णन कीजिए।

4. भवनों में आग लगने के प्रकारों की व्याख्या कीजिए।

5. 'तेल में लगने वाली आग के प्रबंधन में तैयारी और अनुक्रिया महत्वपूर्ण चरण हैं।' टिप्पणी कीजिए।

भाग–II

6. वायु प्रदूषण के कारण पारिस्थितिकी और स्वास्थ्य पर प्रभावों की चर्चा कीजिए।

7. पर्यावरण और मानवों पर औद्योगिक बहिःस्रावों के प्रभाव का विवेचन कीजिए।

8. 'वनोन्मूलन बहु–सामाजिक और वातावरणीय समस्याएँ उत्पन्न करता है।' व्याख्या कीजिए।

9. रेल दुर्घटनाओं में आपदा प्रबंधन व्यवहारों का विवेचन कीजिए और इन आपदाओं को कम करने के लिए जरूरी उपाय सुझाइए।

10. विमान दुर्घटनाओं के कारणों और प्रभावों की चर्चा कीजिए।

एम.पी.ए.–003
जोखिम आकलन और संवेदनशीलता विश्लेषण
सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए–003
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2016
अंक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग–I

1. जोखिम की अवधारणा की चर्चा कीजिए और इसके विभिन्न घटकों पर प्रकाश डालिए।

2. आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए विभिन्न कार्यनीतियों का वर्णन कीजिए।

3. जोखिम आकलन विधियों की विभिन्न प्रक्रियाओं की व्याख्या कीजिए।

4. सहयोगात्मक जोखिम आकलन की चर्चा कीजिए।

5. संवेदनशीलता विश्लेषण के विभिन्न दृष्टिकोणों और मॉडलों की संक्षेप में चर्चा कीजिए।

भाग–II

6. 'महिलाएँ, आपदाओं के प्रति अपेक्षाकृत अधिक संवेदनशील होती हैं।' चर्चा कीजिए।

7. सूखा के कारणों और भारत में सूखा प्रबंधन की आवश्यकताओं पर प्रकाश डालिए।

8. प्रभावी सूखा प्रबंधन के लिए शहरी योजना में महत्वपूर्ण मुद्दों की चर्चा कीजिए।

9. 'विभिन्न कार्यनीतियों को अपनाकर आपदा संबंधी समस्याओं से निपटा जा सकता है।' चर्चा कीजिए।

10. आपदा प्रबंधन में आपदा के पश्चात सहायता के महत्व पर प्रकाश डालिए।

एम.पी.ए.–004
आपदा तैयारी
सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए–004
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2016
अंक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग–I

1. आपदा तैयारी के विभिन्न उपायों की चर्चा कीजिए।

2. आपदा तैयारी के संदर्भ में योजना के महत्व पर प्रकाश डालिए।

3. आपदाओं के समय और आपदा–पश्चात पशुधन प्रबंधन के लिए किए जाने वाले महत्वपूर्ण उपायों पर एक टिप्पणी लिखिए।

4. समुदाय–आधारित आपदा तैयारी की अवधारणा और इसके महत्वपूर्ण घटकों की व्याख्या कीजिए।

5. आपदा तैयारी में केंद्र सरकार की विशेषीकृत संस्थाओं की भूमिका की चर्चा कीजिए।

भाग–II

6. 'आपदा तैयारी के लिए सूचना प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण है।' – विश्लेषण कीजिए।

7. आपदाओं के लिए तैयारी में आपदा मानचित्रण के अनुप्रयोग की व्याख्या कीजिए।

8. आपातकालीन कार्य केंद्र की भूमिका का विवेचन कीजिए।

9. 'आपदा न्यूनीकरण के कुछ सिद्धांत हैं।' – विश्लेषण कीजिए।

10. सामाजिक लागत–लाभ विश्लेषण पर एक टिप्पणी लिखिए।

एम.पी.ए.–005
आपदा प्रतिक्रिया
सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए–005
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2016
अंक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग–I

1. आपदा प्रतिक्रिया योजना की आवश्यकता और इसमें विभिन्न अभिकरणों की भूमिका की चर्चा कीजिए।

2. प्रतिक्रिया योजना के प्रभावी कार्यान्वयन में प्रमुख पणधारियों (स्टेकहोल्डरों) की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

3. 'क्षति आकलन' की अवधारणा की व्याख्या कीजिए और इसकी विभिन्न तकनीकों की संक्षेप में चर्चा कीजिए।

4. आपदा प्रतिक्रिया में सशस्त्र बलों की नियुक्ति के दिशा–निर्देशों का विवेचन कीजिए।

5. आपदा प्रबंधन में युवा संगठनों की भूमिका की व्याख्या कीजिए।

भाग–II

6. सहस्राब्दि विकास लक्ष्य (Millenium Development Goals) और उनके उद्देश्य क्या हैं?

7. आपदा प्रबंधन में 'मानव व्यवहार' की अवधारणा पर एक टिप्पणी लिखिए।

8. तनाव के प्रकारों और स्रोतों का वर्णन कीजिए।

9. संत्रस्त अथवा आतंकित स्थितियों के प्रबंधन के विभिन्न उपायों की व्याख्या कीजिए।

10. स्फियर (Sphere) परियोजना के अनुसार आपदा प्रतिक्रिया के न्यूनतम मानकों की संक्षेप में चर्चा कीजिए।

एम.पी.ए.–006
आपदा चिकित्सा
सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए–006
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2016
अंक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग–I

1. आपदाओं के महामारी रोग–विज्ञान अध्ययन का वर्णन कीजिए।

2. 'जोखिम की रोकथाम में टीकाकरण महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।' चर्चा कीजिए।

3. चिकित्सालयी आपात प्रबंधन पर एक टिप्पणी लिखिए।

4. दूरदराज के क्षेत्रों में चिकित्सा तैयारी और स्वास्थ्य अनुक्रिया प्रणाली की व्याख्या कीजिए।

5. साजो–सामान प्रबंधन के सिद्धांतों का उल्लेख कीजिए। साजो–सामान सहायता योजना के विभिन्न घटकों पर प्रकाश भी डालिए।

भाग–II

6. 'रोगवाहकों का नियंत्रण, सामुदायिक स्वास्थ्य प्रबंधन का महत्वपूर्ण घटक है।' व्याख्या कीजिए।

7. 'आपदा राहतकर्मियों के लिए स्वास्थ्य और सुरक्षा अनिवार्य उपाय है।' चर्चा कीजिए।

8. भूकंप के समय चिकित्सा और स्वास्थ्य अनुक्रिया का उल्लेख कीजिए।

9. आपदाओं में चिकित्सा और स्वास्थ्य प्रबंधन में भौगोलिक सूचना प्रणाली (जी.आई.एस) और रिमोट सेंसिंग के अनुप्रयोग पर प्रकाश डालिए।

10. हृदय फुप्फुसीय पुरुज्जीवन (cardio-pulmonary resuscitation) का वर्णन कीजिए।

एम.पी.ए.–007
पुनर्वास, पुनर्निर्माण और पुनरुत्थान
सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए–007
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2016
अंक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग–I

1. 'आपदाएँ अक्सर विकास के नए अवसर प्रदान करती हैं।' टिप्पणी कीजिए।

2. सतत् आजीविका संरचना की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।

3. आपदा प्रबंधन में भारतीय रेडक्रॉस, जनसंचार, अग्निशमन सेवाओं और अन्य प्राधिकरणों की भूमिका की चर्चा कीजिए।

4. आवास प्रौद्योगिकी में नवीनतम विकास प्रयासों का उल्लेख कीजिए।

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर लगभग 250–250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :
   क) पोषण–केंद्रित स्वास्थ्य मूल्यांकन
   ख) आपदाओं के लिए बीमा योजनाएँ

भाग–II

6. 'आपदा–पश्चात कार्यों के प्रबंधन और निरंतरता को बनाए रखने के लिए अच्छी आपदा पुनरुत्थान प्रक्रिया की आवश्यकता है।' चर्चा कीजिए।

7. आपदा प्रबंधन में तनाव प्रबंधन की भूमिका का विवेचन कीजिए।

8. सूचना प्रसारण में नागरिक समाज संगठनों की भूमिका की व्याख्या कीजिए।

9. आपदा–पश्चात पर्यवेक्षण और मूल्यांकन के मार्गदर्शी सिद्धांतों और मूल्यांकन मापदंडों की चर्चा कीजिए।

10. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर लगभग 250–250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :
    क) यूरोपीय समुदाय का लोकोपकारी अधिकारी (ऐको) आपदा तैयारी कार्यक्रम
    ख) पानी पंचायतों के लाभ

एम.ई.डी–004
सहभागी प्रबंधन की ओर
सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.ई.डी–004
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2016
अंक : 100

टिप्पणी :
1) **यह सत्रीय कार्य पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित है।**
2) **सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के सामने उसके अंकों का उल्लेख किया हुआ है।**
3) **कृपया अपने शब्दों में उत्तर दीजिए। पाठ्यक्रम सामग्री से यथावत सामग्री मत लिखिए।**

---

1. पी.आर.ए. को परिभाषित कीजिए और वर्णन कीजिए कि पी.आर.ए. साधन–उपकरणों का किस प्रकार प्रयोग किया जाता है? ये साधन–उपकरण परियोजनाओं के विकास में किस प्रकार सहायक होते हैं? (2+4+4)

2. सुशासन की किन्हीं छह विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। सुशासन में सहभागी प्रबंधन मॉडल किस प्रकार सहायता करता है? (3+3+4)

3. सतत विकास के लिए लोगों को सशक्त करने में सहभागी दृष्टिकोणों के महत्व की चर्चा कीजिए। (10)

4. पर्यावरण के संरक्षण में सामुदायिक निर्णयों में महिलाओं की भागीदारी किस प्रकार मदद करती है? सोदाहरण चर्चा कीजिए। (5+5)

5. संगठनात्मक परिवर्तन में परिवर्तन एजेंट की क्या भूमिकाएँ हैं? संगठन की बेहतरी के लिए परिवर्तन एजेंट द्वारा प्रयुक्त किए जाने वाले विभिन्न दृष्टिकोणों की चर्चा कीजिए। (5+5)

6. पर्यावरण संरक्षण और विकास में महिलाओं की भूमिका का वर्णन कीजिए। पर्यावरण संरक्षण में महिलाओं की भूमिका को कैसे सुदृढ़ किया जा सकता है? (5+5)

7. 'शिक्षण में विपर्ययता' (Reversal in Learning) किस प्रकार परियोजना में सहभागी प्रबंधन के प्रति बेहतर समझ दे सकता है? चर्चा कीजिए। (10)

8. विकासात्मक कार्यों में युवाओं की भूमिका और कार्यों का वर्णन कीजिए। (10)

9. (क) एस.ए.सी.ई.पी. की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए। एस.ए.सी.ई.पी.की वे मान्यताएँ कौन सी हैं जिनपर दक्षिण एशिया में उसका विज़न आधारित है? (5)

   (ख) सतत पर्वत विकास किस प्रकार प्राप्त किया जा सकता है? चर्चा कीजिए। (5)

10. (क) आर्द्रभूमि के प्राकृतिक कार्यों की चर्चा कीजिए। आर्द्रभूमि हानि के कारणों का वर्णन कीजिए। (5)

    (ख) लाभ के आदान–प्रदान और भागीदारी के संदर्भ में सहभागी वन प्रबंधन पर अपने विचारों की व्याख्या कीजिए। (5)